श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

दीपावली साधनाएं – २०२३

१०-११-२०२३ से १५-११-२०२३

१०-११-२०२३ - धनत्रयोदशी (सायंकाल),बही क्रय

११-११-२०२३ - नरक चतुर्दशी

१२-११-२०२३ - लक्ष्मी-कुबेर पूजन

१४-११-२०२३ - बलिप्रतिपदा,बही पूजन

१५-११-२०२३ - यमद्वितीया / भाइ दूज

१२-११-२०२३ – लक्ष्मी पूजन मुहुर्त

वृषभ लग्न	सिंह लग्न
सायं ५:५३- ७:५६	रात्री १२:१८ – २:२५

१) श्री लक्ष्मी साधना – लक्ष्मी नारायण साधना:

विधान: साधक या साधिकायें , गुलाबी या पीले वस्त्र धारण कर पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और पारद लक्ष्मी,लक्ष्मी यंत्र,लक्ष्मी नारायण विग्रह लगाकर पूर्ण पूजन कर, मिष्ठान्न का भोग लगाकर साधना आरंभ करे | साधना धनत्रयोदशी से आरंभ करें। यह साधना ५ दिन या ३ दिन में कर सकते हैं। कमल बीज माला से १२५० जप करें।

मंत्र: || श्रीं ||

सामग्री: पारद लक्ष्मी,लक्ष्मी यंत्र,लक्ष्मी नारायण विग्रह,कमल बीज माला

जप संख्या: १२५० माला

(२) (अ) कुबेर साधना प्रयोग (धनत्रयोदशी):

विधान: साधक या साधिकायें, पीत वस्त्र धारण कर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर बैठें। सामने गुरु चित्र और कुबेर यंत्र स्थापित करें और घी का दीपक जलाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करें। कमल बीज माला से २१ माला जप करें। पूर्ण पूजन कर, मिष्ठान्न का भोग लगायें। गुरु पूजन एवं लक्ष्मी नारायण जी की पूजा कर साधना संपन्न करें।

मंत्र: || ॐ अक्षय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्यादि पतये धन-धान्य समृद्धिं में देहि दापय स्वाहा ||

सामग्री: कुबेर यंत्र, कमल बीज माला

जप संख्या:२१ माला

(आ) धनत्रयोदशी के दिन दक्षिणावर्ति शंख पूजा विशेष माना गया है |

सामग्री: दक्षिणावर्ति शंख,कमलबीज माला

मंत्र: || ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लुं दक्षिण मुखाय शंखानिधये समुद्र प्रभावय नमः ||

विधान:उपर दिया विधि अपनाये

(३) दीपावलि पूजन –साधना:

विधान: साधक या साधिकायें,स्नान आदि से निवृत्त होकर सामने गुरु चित्र और पारद लक्ष्मी या स्वर्ण लक्ष्मी विग्रह की पूर्ण पूजन(षोडशोपचार) कर कमला मंत्र का जप करे । कमलबीज माला या ऐश्वर्य माला से १६ माला जप करे | जप के उपरान्त कनकधारा स्तोत्र या श्री सुक्त –लक्ष्मी सुक्त के १६ पाठ करे और बाद में पूर्ण परिवार के साथ पूर्ण आरति संपन्न करे |

मंत्र: || ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः ||

सामग्री: लक्ष्मी या स्वर्ण लक्ष्मी विग्रह, कमलबीज माला या ऐश्वर्य माला

जप संख्या: १६ माला

(४) वसुधा लक्ष्मी प्रयोग(भूमि संम्बन्धी कार्य):

विधान: साधक या साधिकायें, स्नान आदि से निवृत्त होकर सामने गुरु चित्र और श्री यंत्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करें। कमलबीज माला से १०० माला जप करने से सिद्धि एवं अनुकुलता प्राप्त होती है | साधना उपरांत माला नदी में प्रवाहित करे ,यंत्र तिजोरी में रखे |

सामग्री: श्री यंत्र,कमलबीज माला

मंत्र: || ॐ ग्लौं श्रीं अन्नं मह्यं में तेह्यन्नाधिपतये ममान्नं प्रदापय स्वाहा श्रीं ग्लौं ॐ ||

जप संख्या: १०० माला

(५) कनकधारा साधना:

विधान:साधक या साधिकायें, स्नान आदि से निवृत्त होकर सामने गुरु चित्र और कनकधारा यंत्र लगाकर सामान्य पूजा कर धूप दीप करे और कनकधारा स्तोत्र का १०८ बार पाठ करे । यह कार्य (स्तोत्र पठन) पांच दिन कर सकते है |

सामग्री: कनकधारा यंत्र

जप संख्या: १०८ बार

****